नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

चिंताजनक है आसुरी प्रवृत्तियां

भोपाल में कॉलेज की लड़कियों से दोस्ती करने के बाद उनसे दुष्कर्म फिर वीडियो बनाकर ब्रेक करने वाले समुदाय विशेष के युवकों की जो खबरें सामने आ रही हैं, वो इतनी भयानक है, कि सुनने वालों की रूह कांप जाए. इस दरिंदे से बचने के लिए जब पीड़िता इंदौर आई तो यह दरिंदा वहां भी आ गया और न केवल पीड़िता से मारपीट की बल्कि उससे दुष्कर्म भी किया. ध्यान रहे टीआईटी कॉलेज भोपाल के प्रकरण में पुलिस को आरोपित फरहान के मोबाइल नंबर से 10 से 12 लड़कियों के वीडियो मिले हैं.महिला पुलिस अधिकारियों ने कुछ छात्राओं से संपर्क कर उनकी काउंसलिंग की है और केस दर्ज करने को कहा है, इनमें से स्वाभाविक रूप से अधिकांश परिजन सामाजिक बदनामी का हवाला देकर आगे आने को तैयार नहीं है. इस बीच एक और लड़की शिकायत के लिए तैयार हुई है. संभावना है कि इस मामले में मुख्य आरोपी फरहान के खिलाफ छठी एफआईआर भी हो जाएगी. मुख्यमंत्री के निर्देश पर गठित स्पेशल टास्क फोर्स ने अभी तक 12 लोगों को आरोपित बनाया है. दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस पूरे मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया है और प्रकरण पर कड़ी कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी है. मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया और गृह विभाग के एक्शन से ऐसा लग रहा है कि इस मामले के लिए अलग से फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाया जाएगा .बहरहाल भोपाल में हाल ही में घटी इस लोम हर्षक घटना ने पूरे देश की आत्मा को झकझोर दिया है. युवती के साथ हुई यह हैवानियत सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि उस सामाजिक गिरावट का संकेत है, जिसे हम नजरअंदाज करते आ रहे हैं.

जब हम किसी अपराध को लव जिहाद जैसे विशेषणों से जोड़ते हैं, तो असल मुद्दा—यानी महिलाओं की सुरक्षा, सामाजिक नैतिकता और न्याय प्रणाली—धुंधला पड़ जाता है.आज ज़रूरत है उन मानसिकताओं को पहचानने की जो औरत को वस्तु समझती हैं, जो प्रेम के नाम पर छल करती हैं, और जो समाज में विष घोलती हैं. ये प्रवृतियां किसी एक समुदाय या वर्ग तक सीमित नहीं हैं. वे हमारे घरों, गली-मोहल्लों, सोशल मीडिया और यहां तक कि कुछ शिक्षित तबकों में भी पल रही हैं. हमें ऐसे मामलों में कठोर कानून और तेज़ न्याय व्यवस्था की आवश्यकता है, लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि समाज आत्ममंथन करे. हमारे बच्चों को सम्मान, सहमति और संवेदना की शिक्षा मिले, नफरत और संकीर्णता की नहीं. अपराध को मजहबी चश्मे से देखना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि यह उन अपराधियों को ढाल भी देता है जो धर्म की आड़ में छिप जाते हैं. हमारी आवाज़ पीड़िता के पक्ष में होनी चाहिए, न कि किसी संप्रदाय के विरोध में. न्याय के लिए एकजुट होना चाहिए, न कि बंटने के लिए. इसके अलावा हमें यह ध्यान रखना होगा कि अभिभावक अपनी बच्चियों से निरंतर संवाद रखें. संयुक्त कुटुंब व्यवस्था में बच्चों को संस्कार अपने आप मिल जाते थे, लेकिन जब से एकल परिवार का दौर चला है, ना बच्चों के पास माता-पिता से बात करने की फुर्सत है और ना अभिभावकों के पास ! जाहिर है ऐसे में बच्चियां सही गलत की पहचान नहीं कर पाती और आभासी दुनिया के दोस्तों को वास्तविक मित्र या हितैषी समझ बैठतीं हैं.

जाहिर है समाज शास्त्रियों और सामाजिक धार्मिक संगठनों ने परिवारों के टूटने का जो सिलसिला चल रहा है उसे रोकने के उपायों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए.

वैभव सूर्यवंशी क्रिकेट का नया धूमकेतू

शिवेंद्र खंपरिया

भारतीय क्रिकेट जगत में एक नए धूमकेतू का उदय हुआ है. राजस्थान रॉयल्स और आईपीएल के सबसे युवा बल्लेबाज 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाईटन्स के खिलाफ 35 गेंद पर सैकड़ा मारकर जता दिया कि पूत के पाँव पालने पर दिख रहे हैं. यह आईपीएल में दूसरा और किसी भारतीय द्वारा मारा गया सबसे पहला तेज शतक था. वैभव के इस धमाकेदार बल्लेबाजी ने क्रिकेट जगत के खिलाड़ियों खेल समीक्षकों सहित पूरे देश को दाँतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया.

आंकणों पर नजर डालें तो वैभव ने 215 से अधिक के स्ट्राईक रेट से तीन पारियों में 151 रन बनाए है. वो आईपीएल इतिहास के सबसे कम उमर के शतकवीर बनते हुए मनीष पाण्डे के 16 साल पुराने वर्ष 2009 के रिकार्ड को तोड़ा है. गेंदबाजों के सामने उसने बेखौफ और आक्रमक बल्लेबाजी की है. उसने अपने डेब्यू मैंच में उमरान मलिक की पहली गेंद पर छक्का मारकर एहसास दिला दिया था कि उसे बच्चा समझने की हिमाकत न करें. उमरान ही नहीं मोहम्मद शमी, जोश हेजलवुड, मोहम्मद सिराज, इशांत शर्मा, प्रसीद कृष्ण और राशीद खान जैसे स्थापित और अनुभवी गेंदबाजों को भी बेखौफ होकर सहजता से खेला है.

वैभव ने आधुनिक टी20 की शैली में तेज गति, शानदार फुटवर्क और बड़े शॉट्स की तकनीक अपनाई है. 94 के स्कोर पर राशीद खान के खिलाफ मिड विकेट पर छक्के के साथ शतक मारना उनके दृढ़ संकल्प और मानसिक दबाव को झेलने की क्षमता को दर्शाता है. वैभव ने असाधारण खेल का प्रदर्शन करते हुए यह साबित किया है कि जब बात प्रतिभा और आत्मविश्वास की हो तो उम्र केवल एक संख्या है.

सामाजिक मीडिया और क्रिकेट बिरादरी ने उनकी इस उपलब्धि की जमकर सराहना की है. प्रशंसकों ने उन्हे क्रिकेट का नया युवराज और बिहार का गौरव बताया है. विख्यात क्रिकेटर सचिन तेंदूलकर ने कहा वैभव बेखौफ अंदाज, बल्ले की गति, गेंद की लेंथ को जल्दी पढ़ना और पूरी ताकत से प्रहार करना उनकी शानदार पारी का आधार रहा. युवराज सिंह ने कहा यह बच्चा दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का बिना पलक झपकाए सामना कर रहा है. राजस्थान रॉयल्स के कोच राहुल द्रविड़ ने उन्हे क्रिकेट का भविष्य बताया है.

वैभव की यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है जो नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी. बिहार के समस्तीपुर जिले के एक छोटे से गांव ताजपुर से निकलकर केवल 14 साल की उमर में वैभव ने दिखा दिया कि सपने बड़े होने चाहिए. वैभव की शतकीय पारी आईपीएल की 2025 की सबसे यादगार पारी होगी बल्कि वैभव सूर्यवंशी के उज्जवल भविष्य की शुरूआत भी हैं. उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले समय में वह इसी तरह रिकार्ड दर रिकार्ड बनाता जाएगा.

आमीन!

यह नए सिरे से आशा और सकारात्मकता के दिन के रूप में कार्य करता है

अक्षय तृतीया भारत की विविधता में एकत्व का प्रतीक

प्रो. विवेकानंद तिवारी
अध्यक्ष, आम्बेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

अक्षय तृतीया वास्तव में शाश्वत समृद्धि, अनंत प्रचुरता और शुभ शुरुआत का सार है. इसे गृह प्रवेश समारोह और शादियों के लिए आदर्श माना जाता है. यह व्यक्तियों को नई यात्रा शुरू करने, परिवर्तन को अपनाने और अटूट विश्वास के साथ आध्यात्मिक और भौतिक विकास की तलाश करने के लिए प्रोत्साहित करता है. सांस्कृतिक रूप से यह पारंपरिक आर्थिक आत्मनिर्भरता और भविष्य के लिए संरक्षण की भावना जुड़ी हुई है.

अक्षय तृतीया का त्यौहार पूरे भारत में एकता और विविधता को दर्शाता है. यह नए सिरे से आशा और सकारात्मकता के दिन के रूप में कार्य करता है, जो लोगों को आशावाद और विश्वास के साथ जीवन की यात्रा को अपनाने के लिए प्रेरित करता है. अक्षय तृतीया का उत्सव, अपने अनूठे अनुष्ठानों और प्रतीकात्मकता के साथ, सांस्कृतिक अवसरों की एक बड़ी श्रृंखला का हिस्सा है जो समुदायों को आनंद और आध्यात्मिकता में एक साथ लाता है. अक्षय तृतीया की तिथि साढ़े तीन मूहूर्तों में से एक पूर्ण मुहूर्त है. इस दिन सत्ययुग समाप्त होकर त्रेतायुग का प्रारंभ हुआ, ऐसा माना जाता है. इस कारण से यह एक संधिकाल है . मुहूर्त कुछ ही क्षणों का होता है, परंतु अक्षय तृतीया संधिकाल होने से उसका परिणाम 24 घंटे तक रहता है. यह दिन किसानों के लिए भी शुभ माना जाता है जो इस दिन अपनी फसल बोना शुरू करते हैं, ताकि अच्छी फसल की उम्मीद कर सकें. वे विशेष पूजा समारोह करते हैं और अच्छी फसल के लिए देवताओं से प्रार्थना करते हैं. वृंदावन के बांके बिहारी जी के मंदिर में श्री विग्रह जी के चरणों के दर्शन भी इसी दिन होते हैं. इस दिन इनके चरणों से वस्त्र हटा दिया जाता है. जबकि पूरे वर्ष भर उनके चरणों को वस्त्र से ढक दिया जाता है.

महाराष्ट्र में किसान अक्सर अपने हल और औजारों की पूजा करते हैं क्योंकि वे भरपूर फसल के लिए आशीर्वाद मांगते हैं. गुजरात में इस दिन भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है. जहाँ लोग नए कपड़े, आभूषण और अन्य मूल्यवान वस्तुएँ खरीदते हैं, वहीं दान और गरीबों को भोजन कराना गुजरात के लोगों के लिए उत्सव का मुख्य पहलू है. अक्षय तृतीया राजस्थान में गणगौर उत्सव के साथ मेल खाती है, जिसे महिलाएँ देवी पार्वती की सुंदर सजी हुई मूर्तियों को लेकर जुलूस में भाग लेकर और अपने पतियों की लंबी उम्र के लिए आशीर्वाद मांगते हुए बड़े ही धूमधाम से मनाती हैं. ओडिशा में, अक्षय तृतीया को चंदन यात्रा के रूप में मनाया जाता है, जहाँ भक्त पुरी के जगन्नाथ मंदिर जाते हैं और देवताओं को चंदन का लेप और फूल चढ़ाते हैं. तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे दक्षिणी राज्य इस त्यौहार को धार्मिक उत्साह के साथ मनाते हैं क्योंकि लोग अनुष्ठान करने, सोना खरीदने और केसरी भात और पायसम जैसे स्वादिष्ट व्यंजन तैयार करने के लिए एकत्रित होते हैं.यह एक ऐसा दिन है जो वास्तव में भारत के समृद्ध सांस्कृतिक परिदृश्य की विविधता से मिलता-जुलता है, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों में पुरुषों और महिलाओं द्वारा पहने जाने वाले पारंपरिक परिधानों के लिए कई तरह की शैलियों, कपड़ों और रंगों का इस्तेमाल किया जाता है.

अक्षय तृतीया की एक लोकप्रिय कथा महाभारत से जुड़ी है. माना जाता है कि इस दिन भगवान कृष्ण ने पांडवों को अक्षय पात्र भेंट किया था. यह एक जादुई पात्र था जो भोजन की अटूट आपूर्ति प्रदान करता था, जिससे यह सुनिश्चित होता था कि पांडव अपने वनवास के दौरान कभी भूखे न रहें. एक अन्य पौराणिक कथा में महान ऋषि वेद व्यास और भगवान गणेश की कहानी शामिल है. ऐसा माना जाता है कि महाकाव्य महाभारत का लेखन अक्षय तृतीया के दिन शुरू हुआ था क्योंकि भगवान गणेश ने वेद व्यास द्वारा सुनाए जाने के दौरान बिना किसी रुकावट के महाकाव्य लिखना शुरू किया था. यह एक ऐसा त्यौहार है जिसका हिंदू और जैन धर्म में बहुत धार्मिक महत्व है. यह नए उद्यम शुरू करने, सोना खरीदने और निवेश करने के लिए एक बहुत ही कीमती दिन माना जाता है, जो हिंदुओं के लिए स्थायी समृद्धि लाने वाला माना जाता है. लोग दान-पुण्य भी करते हैं, मंदिरों में जाते हैं और सफलता और धन के लिए आशीर्वाद लेने के लिए अक्षय तृतीया पूजा करते हैं.

नक्सलवाद की चुनौती बरकरार

देश के 20 राज्यों के 220 जिलों में नक्सली गुट विविध नामों से सक्रिय हैं. आदिवासी बहुल तथा विकास की दृष्टि से पिछड़े क्षेत्रों में उनकी मौजूदगी अधिक है. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कानून और संविधान नहीं मानने वाले हिंसक व अराजक नक्सलियों का 31 मार्च 2026 तक सफाया करने का संकल्प व्यक्त किया है. यदि सीमावर्ती राज्यों में आतंकवाद का खतरा है, तो देश की एकता-अखंडता के लिए नक्सली भी बहुत बड़ी चुनौती हैं. गरीबों व आदिवासियों को शोषण से बचाकर न्याय देने की बात करने वाले नक्सली खुद उनके बड़े शोषणकर्ता बन गए हैं. वे अपने प्रभावित क्षेत्रों में स्कूल, अस्पताल, सड़क व पुल नहीं बनने देते. नक्सली जानते हैं कि यदि आदिवासी क्षेत्रों में विकास और जनजागृति हो गई, तो कोई उनके बहकावे में नहीं आएगा. वे युवक-युवतियों को जबरदस्ती अपने दलम में शामिल करते हैं और बगावत के लिए उकसाते हैं. नक्सलियों के निशाने पर वनकर्मी, पुलिसकर्मी और सरकारी कर्मचारी रहते हैं. नक्सलवाद अपने उद्देश्य से काफी पहले भटक चुका है. अपने प्रभाव क्षेत्र के उद्योगों से नक्सली मोटी रकम प्रोटेक्शन मनी के नाम पर जबरन वसूल करते हैं. उन्हें भारत से द्वेष रखने वाले देशों से हथियार मिलते हैं. नक्सली पशुपति से तिरूपति (नेपाल से आंध्रप्रदेश तक) कब्जा जमाने का लक्ष्य रखते हैं. शहरी क्षेत्रों में भी उनके तथाकथित बुद्धिजीवी समर्थक अर्बन नक्सल के रूप में सक्रिय हैं. छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर करेगुट्टा टेकड़ी पर नक्सली कमांडर हिडमा के नेतृत्व में बड़ी तादाद में नक्सली जमा हैं. 3 राज्यों के 20,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों ने 23 अप्रैल से नक्सल विरोधी अभियान शुरू किया है, जिसमें 7 नक्सली मारे गए. पुलिस का दबाव बढ़ने पर नक्सलियों ने सरकार के पास शांति प्रस्ताव भेजा है, जिसमें उन्होंने जवानों को वापस बुलाने और अभियान को 1 माह तक रोकने की मांग की है तथा वातावरण अनुकूल होने पर शांति वार्ता करने की तैयारी दर्शाई है. छत्तीसगढ़ में इस वर्ष विभिन्न मुठभेड़ों में 150 नक्सली मारे गए, जिनमें से 124 का खात्मा बस्तर जिले में किया गया. गत सप्ताह झारखंड के बोकारो जिले में 8 नक्सली मारे गए. नक्सली समस्या से निपटने के लिए सरकार कृतसंकल्प है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

ट्रंप मानते हैं, उन्हें हर तरह की छूट पोप की दफन विधि में पहना नीला सूट

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, इसाइयों में रिवाज है कि जब किसी के अंतिम संस्कार में जाते हैं, तो शोक व्यक्त करने के लिए काला सूट पहनकर जाते हैं. पोप फ्रांसिस की दफन विधि में शामिल सारे देशों के नेता ब्लैक सूट पहने थे, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जानबूझकर नीला सूट और नीली टाई पहने हुए थे.

हमने कहा, ट्रंप की मानसिकता ऐसी ही है. वह स्वयं को दूसरों से अलग दिखाना चाहते हैं. ऐसे लोग आत्मकेंद्रित होते हैं और खुद को तोपचंद समझते हैं. ये वही ट्रंप हैं, जिन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को इसलिए फटकारा था, क्योंकि वह व्हाइट हाउस में सूट पहनकर नहीं आए थे. इतना ही नहीं, ट्रंप ने अपने निवास से जेलेंस्की को बिना खाना खिलाए अपमानित कर वापस भेजा था. ट्रंप की सनक ऐसी है कि वह दुनिया को अपनी हनक दिखाना चाहते हैं. ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों, अर्जेंटीना के प्रेसीडेंट जेवियर मिलेई और इटली की पीएम जार्जिया मेलोनी सभी काले परिधान पहने हुए थे और ट्रंप के

ब्लू सूट को आश्चर्य से देख रहे थे.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, ट्रंप 6 फुट 3 इंच ऊंचे हैं, लेकिन उनका दिल बहुत छोटा है. 20 वर्ष पहले जब पोप जॉन पाल का निधन हुआ था, तब उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अमेरिका के 3 राष्ट्रपति एक साथ एक ही हवाई जहाज में रोम गए थे. तब प्रेसीडेंट जॉर्ज वाकर बुश, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और अपने पिता व पूर्व प्रेसीडेंट जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश को साथ लेकर एयरफोर्स वन विमान से गए थे. इस बार ट्रंप अपनी पत्नी मेलनिया और वरिष्ठ सहायकों के साथ गए, लेकिन पूर्व राष्ट्रपति बाइडन को साथ ले जाना जरूरी नहीं समझा. बाइडन अपनी पत्नी जिल के साथ दूसरे विमान से रोम गए. ट्रंप को बाइडन से बहुत नफरत है. क्योंकि 2020 के चुनाव में बाइडन ने उन्हें हरा दिया था और इस वजह से ट्रंप को लगातार दूसरा टर्म नहीं मिला था. कुछ माह पहले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया. कार्टर को श्रद्धांजलि देते हुए ट्रंप ने बाइडन पर फिकरा कसा था. ट्रंप ने कहा था कि कार्टर खुशमिजाज इंसान के तौर पर चल बसे, वे बुरे आदमी नहीं थे लेकिन बाइडन से बुरा कोई भी नहीं है.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11888 - डॉ. सागर खादीवाला

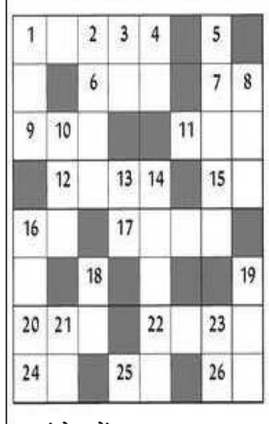

ऊपर से नीचे

1. दूसरों को हानि पहुंचाने का गुप्त प्रयत्न या षड्यंत्र 2. राजस्व (टैक्स) (सं.) 3. नदी जलाशय आदि के किनारे स्नानादि के लिए बना स्थान 4. वृक्ष का नीचे वाला भाग जिसमें डालियां नहीं होतीं 5. बड़ा भारी आदरणीय व्यक्ति 8. चांदी 10. जोर से मल कर किसी वस्तु को साफ करना, अभ्यास करना 13. एक प्रसिद्ध मात्रिक छंद 14. जन्म और मृत्यु के बीच का समय 16. नवी, वह धर्माचार्य जो ईश्वर का संदेश लोगों को सुनाने आता है 18. छोटी पहाड़ी, मिट्टी, पत्थर आदि का उभरा हुआ भूभाग 19. मनुष्य, आदमी 21. ब्याज 23. आधा पैसा का पुराना सिक्का

बाएं से दायें

1. कुल्हाड़ी का घाव, घातक चोट 6. उगना, जड़ना 7. माला, पराजय 9. क्रमानुसार लिखी जाने वाली संख्या 11. जो बाद में पैदा हुआ हो, छोटा भाई 12. वह काम जो कपड़े पर सलमे सितारे आदि से किया जाता है 15. पकाया (उबालकर) हुआ चावल 16. धारदार, नुकीला 17. किसी को मोहित करने के लिए की जाने वाली मनोहर चेष्टाएं 20. बढ़इयों का लकड़ी गढ़ने का एक औजार 22. स्वर्ग की गाय जो सब कामनाओं की पूर्ति करने वाली मानी जाती है 24. दांत (सं.) 25. बहुत बड़ा प्राकृतिक सरोवर 26. लज्जा, शर्म, हया

Solution 11887

खु	शा	म	द		द	सा	ना
दा	य		र	क्षा	बं	ध	न
ई	द		अ	ल	ग		क
		व्य	स	न		अ	
प	र	व	ल		द	फी	ना
र		हा		अ	स	म	
बा	न	र	के	तु		ची	ता
ना	ग		श	ल	भ		प्र

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में व्यापार के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. अचानक धनलाभ का योग है. सत्ता सुख मिलेगा. अधिकारियों से मेल मिलाप होगा. सामंजस्य बना रहेगा. वाणी में मधुरता आयेगी. वर्ष के मध्य में संतान पक्ष से खुश खबरी मिलेगी. कोई नया दायित्व सम्हालना पडेगा. प्रभाव बना रहेगा. नवीन समाचारों की प्राप्ति होगी. वर्ष के अन्त में मित्रों से मतभेद होगा. व्यापार में अनिश्चय पूर्ण स्थिति निर्मित होगी. घरेलू कार्यो में व्यस्तता रहेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को व्यापार व्यवसाय में अनिश्चय पूर्ण स्थिति का सामना करना होगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को प्रियजनों से मतभेद होगा. व्यापार में सफलता मिलेगी. कर्क राशि के व्यक्तियों को प्रभाव में वृद्धि होगी. नवीन समाचार की प्राप्ति होगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सत्ता का सुख मिलेगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को प्रसन्नता रहेगी.मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मित्रों से मतभेद हो सकता है. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को संतान पक्ष से सुख मिलेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर स्वस्थ्य सुखी व्यक्तित्ववान होगा. अपनी मनमर्जी का मालिक होगा. विद्या के क्षेत्र में शुरू में अड़चने आयेंगी. परिवार का पूरा ध्यान रखने वाला होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

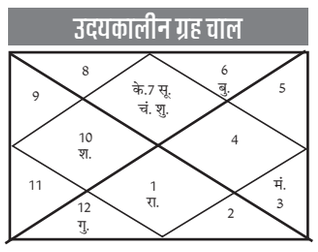

पंचांग

रा.मि. 10 संवत् 2082 वैशाख शुक्ल तृतीया बुधवासरे शाम 5/58, रोहिणी नक्षत्रे रात 8/6, शोभन योगे दिन 3/35, तैतिल करणे सू.उ. 5/32 सू.अ. 6/28, चन्द्रचार वृषभ, शु.रा. 2, 4, 5, 8, 9, 12 अ.रा. 3, 6, 7, 10, 11, 1 शुभांक- 4, 6, 0.

व्यापार भविष्य

वैशाख शुक्ल तृतीया को रोहिणी नक्षत्र के प्रभाव से धनियां, लालमिर्च, जीरा, दाख,जायफ्ल, लोंग, के भाव में तेजी होगी. ज्वार, बाजरा, मक्का, गेहूँ, जौ, चना, मूँग, के भाव में नरमी रहेगी. भाग्यांक 2614 है.

मेष- आज का दिन अनुकूल रहेगा. शुभ कार्यों में खर्च होगा. रूका हुआ काम बनेगा. सुख सौहार्द्र बना रहेगा. सुखद संदेश प्राप्त हो सकता है.

वृषभ- राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी. नौकरी में उत्साह रहेगा. समस्याओं का सरलता से समाधान होगा. मांगलिक कार्य पर विचार विमर्श होगा.

मिथुन- कोई समस्या हल होगी. व्यापार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. खर्च की अधिकता रहेगी.यश मिलेगा. मन में शांति और संतोष बना रहेगा.

कर्क- नया कार्य सामने आयेगा. किसी तरह की चोट लग सकती है, किन्तु अधिक चिन्ता की बात नहीं रहेगी. अतिथि आगमन हो सकता है.

सिंह- पारिवारिक विवाद हो सकता है. कामकाज अधूरा रहेगा. सोचे हुये कार्य में विलंब होगा. नियमितता का ध्यान रखकर कार्य करना हितकर रहेगा.

कन्या- पारिवारिक चिन्ता रहेगी. कामकाज अधूरा होगा. दूर गये मित्र के सम्बन्ध में शुभ समाचार प्राप्त होगा. लापरवाही न करना हितकर रहेगा.

तुला- लेखनादि कार्यों में सफलता मिलेगी. खरीदी में सावधानी रखकर कार्य करें. मनोवांछित कार्यों में सफलता मिलेगी. प्रवास हो सकता है .

वृश्चिक- वाहन सुख मिलेगा. भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. यात्रा में यथेष्ठ सावधानी रखें. पूज्य व्यक्ति की सलाह लाभदायक रहेगी.

धनु- कामकाज पूरा होगा. कोर्ट कचहरी आदि के कार्यों में प्रयास सफल होगा. व्यवसाय, खरीदी बिक्री में सतर्कता रखें. पदोन्नति आदि का योग है.

मकर- कुटुम्बियों से सुख एवं सहयोग मिलेगा. आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी. आमदानी के जरिये बढ़ेगे. गफ्लतबाजी से बचने का प्रयास करें. धैर्य रखें.

कुम्भ- मन में प्रसन्नता रहेगी. सुखद समाचार मिलेगा. व्यय अधिक होगा. आर्थिक समस्याओं का सरलता से समाधान होगा. अतिथि आगमन का योग है.

मीन- अनावश्यक विवादों को टालें. न्यायालयीन मामलों में सतर्कता रखें. फिजूल की दौड़धूप अधिक होगी. कार्यो की व्यस्तता रहेगी. यश प्राप्त होगा.

SUDOKU 7020

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7019

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8